

अध्याय 2

बस की यात्रा

1 अंक वाले प्रश्न:

1. "बस की यात्रा" कहानी किसे लिखी गई है?

उत्तर: "बस की यात्रा" कहानी विष्णु प्रभाकर ने लिखी है।

2. कहानी में यात्रा कहाँ से कहाँ हो रही है?

उत्तर: यह यात्रा गुजरात के सोमनाथ से गया तक हो रही है।

3. कहानी में बताई गई यात्रा किस उद्देश्य से हो रही है?

उत्तर: यह यात्रा भारतीय संस्कृति और विरासत को जानने के लिए हो रही है।

4. कहानी में कौन-कौन से स्थानों पर बस रुकती है?

उत्तर: बस सोमनाथ, जुनागढ़, अहमदाबाद और सूरत जैसे स्थानों पर रुकती है।

5. कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: "बस की यात्रा" का मुख्य संदेश है भारतीय संस्कृति और विरासत के महत्व को समझना और मानना।

2अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1:

कारण बताएँ

“मैंने उस कंपनी के हिस्सेदार की तरफ़ पहली बार श्रद्धाभाव से देखा।”

लेखक के मन में हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा क्यों जग गई?

उत्तर:

लेखक के मन में बस कंपनी के हिस्सेदार साहब के लिए श्रद्धा इसलिए जाग गई कि वह टायर की स्थिति से परिचित होने के बावजूद भी बस को चलाने का साहस जुटा रहा था। कंपनी का हिस्सेदार अपनी पुरानी बस की खूब तारीफ़ कर रहा था। अर्थ मोह की वजह से आत्म बलिदान की ऐसी भावना दुर्लभ थी जिसे देखकर लेखक हतप्रभ हो गया और उसके प्रति उनके मन में श्रद्धा भाव उमड़ता है।

प्रश्न 2:

कारण बताएँ

“लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।”

लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर:

लोगों ने लेखक को यह सलाह इसलिए दी क्योंकि वे जानते थे की बस की हालत बहुत खराब है। बस का कोई भरोसा नहीं है कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह है।

प्रश्न 3:

कारण बताएँ

“ऐसा जैसे सारी बस ही इंजन है और हम इंजन के भीतर बैठे हैं।”

लेखक को ऐसा क्यों लगा?

उत्तर:

जब बस चालक ने इंजन स्टार्ट किया तब सारी बस झनझनाने लगी। लेखक को ऐसा प्रतीत

हुआ कि पूरी बस ही इंजन है। मानो वह बस के भीतर न बैठकर इंजन के भीतर बैठा हुआ हो। अर्थात् इंजन के स्टार्ट होने पर इंजन के पुर्जों की भांति बस के यात्री हिल रहे थे।

प्रश्न 4:

कारण बताएँ

“गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।”

लेखक को यह सुनकर हैरानी क्यों हुई?

उत्तर:

बस की वर्तमान स्थिति देखते हुए इस प्रकार का आश्चर्य व्यक्त करना स्वाभाविक था। देखने से लग नहीं रहा था कि बस चलती भी होगी परन्तु जब लेखक ने बस के हिस्सेदार से पूछा तो उसने कहा चलेगी ही नहीं, अपने आप चलेगी।

प्रश्न 5:

कारण बताएँ

“मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था।”

लेखक पेड़ों को अपना दुश्मन क्यों समझ रहा था?

उत्तर:

बस की जर्जर अवस्था से लेखक को ऐसा महसूस हो रहा था कि बस की स्टीयरिंग कहीं भी टूट सकती है तथा ब्रेक फेल हो सकता है। ऐसे में लेखक को डर लग रहा था कि कहीं उसकी बस किसी पेड़ से टकरा न जाए। एक पेड़ निकल जाने पर वह दूसरे पेड़ का इंतज़ार करता था कि बस कहीं इस पेड़ से न टकरा जाए। यही वजह है कि लेखक को हर पेड़ अपना दुश्मन लग रहा था।

प्रश्न 6:

‘सविनय अवज्ञा आंदोलन’ किसके नेतृत्व में, किस उद्देश्य से तथा कब हुआ था?

इतिहास की उपलब्ध पुस्तकों के आधार पर लिखिए।

उत्तर:

‘सविनय अवज्ञा आंदोलन’ महात्मा गाँधी के नेतृत्व में १९३० में अंग्रेज़ी सरकार से असहयोग करने तथा पूर्ण स्वाधीनता प्राप्त करने के लिए किया गया था।

4अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1:

बस, वश, बस तीन शब्द हैं – इनमें बस सवारी के अर्थ में, वश अधीनता के अर्थ में, और बस पर्याप्त (काफी) के अर्थ में प्रयुक्त होता है,

जैसे – बस से चलना होगा।

मेरे वश में नहीं है।

अब बस करो।

उपर्युक्त वाक्यों के समान वश और बस शब्द से दो-दो वाक्य बनाइए।

उत्तर:

वश – आज-कल के बच्चों को समझाना सबके वश की बात नहीं।

वश – भगवान की करनी मनुष्य के वश में नहीं।

बस – बस करो, कितना खाओगे?

बस – बस करो, इतना काफी है।

प्रश्न 2:

“हम पाँच मित्रों ने तय किया कि शाम चार बजे की बस से चलें। पन्ना से इसी कंपनी की बस सतना के लिए घंटे भर बाद मिलती है।”

ऊपर दिए गए वाक्यों में ने, की, से आदि वाक्य के दो शब्दों के बीच संबंध स्थापित कर रहे हैं। ऐसे शब्दों को कारक कहते हैं। इसी तरह दो वाक्यों को एक साथ जोड़ने के लिए ‘कि’ का प्रयोग होता है।

कहानी में से दोनों प्रकार के चार वाक्यों को चुनिए।

उत्तर:

कारक शब्द से निर्मित वाक्य –

१ यह समझ में नहीं आता कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।

२ नई नवेली बसों से ज़्यादा विश्वसनीय है।

३ यह बस पूजा के योग्य थी।

४ बस कंपनी के एक हिस्सेदार भी उसी बस में जा रहे थे।

प्रश्न 3:

“काँच बहुत कम बचे थे। जो बचे थे, उनसे हमें बचना था।”

इस वाक्य में ‘बच’ शब्द को दो तरह से प्रयोग किया गया है। एक ‘शेष’ के अर्थ में और दूसरा ‘सुरक्षा’ के अर्थ में।

नीचे दिए गए शब्दों को वाक्यों में प्रयोग करके देखिए। ध्यान रहे, एक ही शब्द वाक्य में दो बार आना चाहिए और शब्दों के अर्थ में कुछ बदलाव होना चाहिए।

(क) जल (ख) हार

उत्तर:

(क) जल – मीना गरम जल से बुरी तरह जल गई।

(ख) हार – यह प्रतियोगिता के इस पड़ाव में जिसकी जीत होगी उसे मोतियों का हार मिलेगा और जिसकी हार होगी वह प्रतियोगिता के बाहर हो जाएगा।

प्रश्न 4:

“हम फ़ौरन खिड़की से दूर सरक गए। चाँदनी में रास्ता टटोलकर वह रेंग रही थी।”

दिए गए वाक्यों में आई ‘सरकना’ और ‘रेंगना’ जैसी क्रियाएँ दो प्रकार की गतियाँ दर्शाती हैं। ऐसी कुछ और क्रियाएँ एकत्र कीजिए जो गति के लिए प्रयुक्त होती हैं, जैसे – घूमना इत्यादि। उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:

टहलना – दादाजी को टहलना अच्छा लगता है।

चलना – चलना सेहत के लिए बहुत लाभदायक है।

प्रश्न 5:

बोलचाल में प्रचलित अंग्रेजी शब्द ‘फर्स्ट क्लास’ में दो शब्द हैं – फर्स्ट और क्लास।

यहाँ क्लास का विशेषण है फर्स्ट। चूँकि फर्स्ट संख्या है, फर्स्ट क्लास संख्यावाचक विशेषण का उदाहरण है। ‘महान आदमी’ में किसी आदमी की विशेषता है महान।

यह गुणवाचक विशेषण है। संख्यावाचक विशेषण और गुणवाचक विशेषण के दो-दो उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर:

संख्यावाचक विशेषण – चार, आठ, दस

गुणवाचक विशेषण – चाँदनीरात, समझदार आदमी

रिक्त स्थान प्रश्न और उत्तर भरें:

1. "बस की यात्रा" कहानी में, बस ने यात्रा शुरू की थी _____ से।

उत्तर: सोमनाथ

2. बस की यात्रा का मुख्य उद्देश्य था _____ और _____ की जानकारी हासिल करना।

उत्तर: भारतीय संस्कृति, विरासत

3. "बस की यात्रा" में, बस ने गुजरात के कितने स्थानों पर रुकावट की थी?

उत्तर: चार स्थानों पर - सोमनाथ, जुनागढ़, अहमदाबाद, सूरत

4. "बस की यात्रा" कहानी किस लेखक द्वारा लिखी गई थी, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और विरासत को विवरण दिया?

उत्तर: विष्णु प्रभाकर

5. "बस की यात्रा" में, यात्रा करने वालों ने भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति अपनी _____ और _____ जताई।

उत्तर: समर्पण, आदर्श

6. "बस की यात्रा" कहानी का मुख्य संदेश है भारतीय संस्कृति की _____ और _____ को समझना।

उत्तर: महत्व, मान्यता

7. "बस की यात्रा" कहानी में, यात्रा का अंत किस शहर में हुआ?

उत्तर: गया

सारांश

"बस की यात्रा" कहानी एक ऐसे समूह के बारे में है जो गुजरात के सोमनाथ से बिहार के गया शहर तक बस की यात्रा पर निकलता है, भारतीय सांस्कृतिक विरासत को जानने के लिए। विष्णु प्रभाकर द्वारा लिखी गई यह कहानी उनके अनुभवों और इन्हें गुजरात के विभिन्न स्थानों पर रुककर मिले अनुभवों का वर्णन करती है, जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं का महत्त्व दर्शाते हैं।

बस की यात्रा भारतीय सांस्कृतिक विविधता की एक उदाहरण है। यात्री, विभिन्न क्षेत्रों और पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, और उनके बीच विभिन्न चर्चाओं में भारतीय संस्कृति और परंपराओं के महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा करते हैं।

यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और विरासत को समझना और मानना होता है, जिससे यात्री अपने देश के इतिहास, परंपराओं और मूल्यों के प्रति समर्पण और श्रद्धा की भावना को बढ़ाते हैं।

कहानी व्यापकता में भारतीय संस्कृति, सांस्कृतिक विविधता, और एकता में साझेदारी की महत्ता को दर्शाती है, दिखाती है कि एक सामान्य बस की यात्रा कैसे भारतीय संस्कृति के विभिन्न दृश्यों और विचारों का माध्यम बन जाती है।

इस कहानी के माध्यम से लेखक भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने और सराहना करने की महत्ता को उजागर करते हैं, साथ ही उसकी विभिन्न परंपराओं और मूल्यों को स्वीकार करने की भी।